1

भाषा
(Language)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

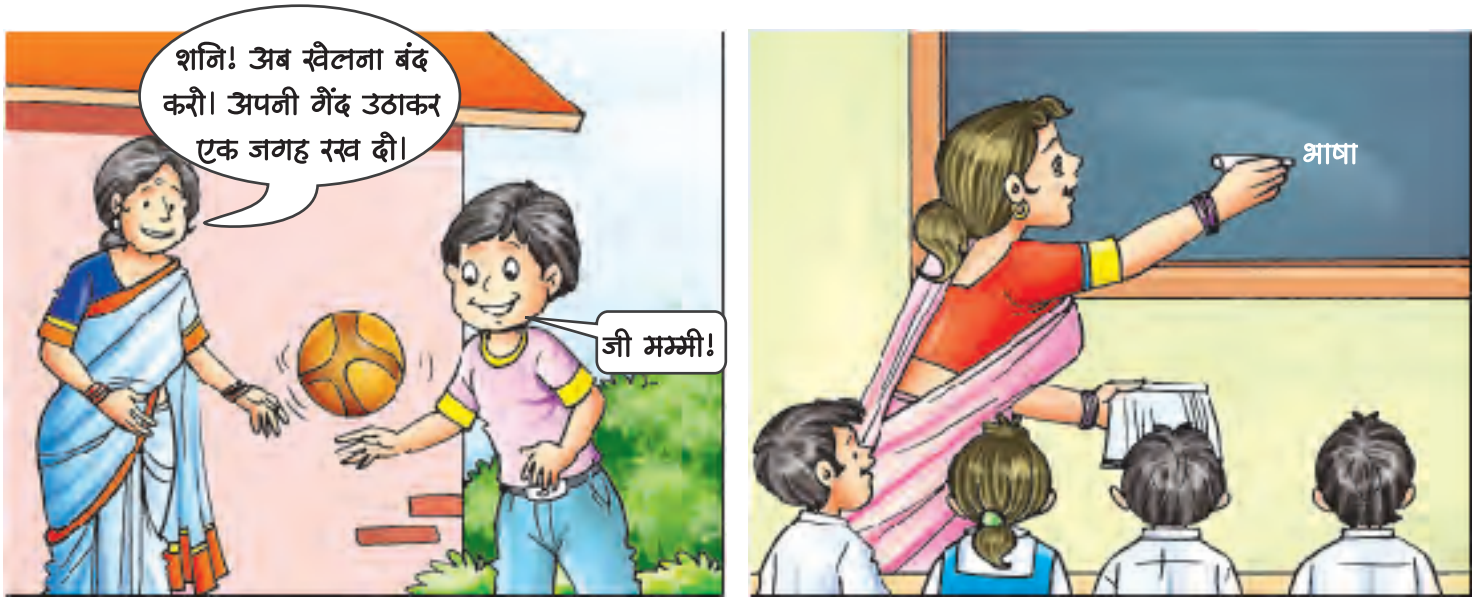

बच्चो! आपने देखा, पहले चित्र में, माँ अपने बेटे से बोलकर खेलने के लिए मना कर रही है। बेटा माँ की बात सुनकर मान रहा है।

दूसरे चित्र में, अध्यापिका श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों को समझा रही हैं। बच्चे उसे पढ़कर समझ रहे हैं।

इस प्रकार, हम अपनी बात बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरे हमारी बात सुनकर या पढ़कर समझते हैं। इन सबके लिए हमें भाषा का सहारा लेना पड़ता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

अपने मन की बात दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों की बात को समझने का साधन भाषा कहलाती है।

भाषा के रूप

भाषा के मुख्यतः दो रूप हैं–

1. मौखिक भाषा
2. लिखित भाषा

मौखिक भाषा

जब हम मुख से बोलकर अपने मन की बात कहते हैं और दूसरे हमारी बात को कानों से सुनकर समझते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं। आपस में बातचीत करना, उपदेश देना, फोन पर बतलाना आदि मौखिक भाषा के उदाहरण हैं।

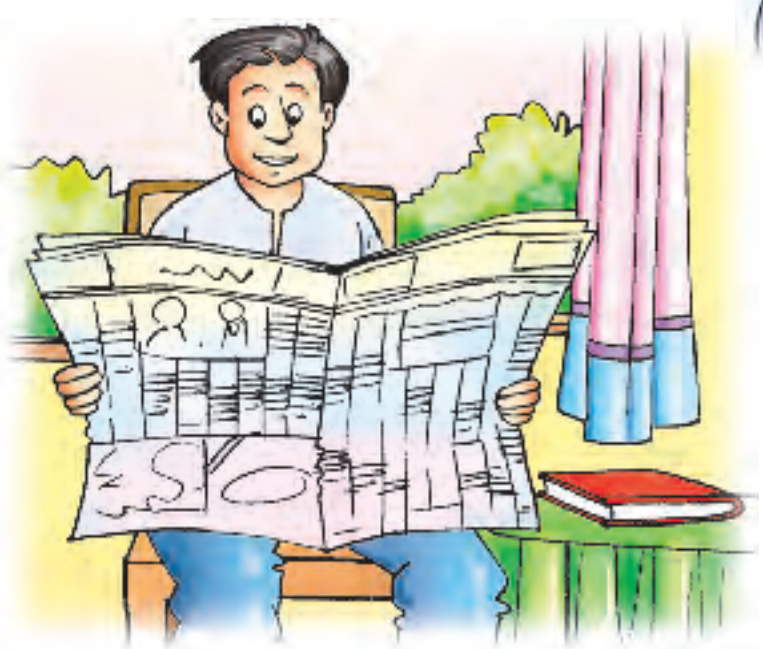

लिखित भाषा

जब हम अपने मन की बात लिखकर प्रकट करते हैं और अन्य लोग उसे पढ़कर हमारी बात समझते हैं तो उसे लिखित भाषा कहते हैं। समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि लिखित भाषा के उदाहरण हैं।

सांकेतिक भाषा

बच्चो, आपने देखा होगा कि सड़क पर चौराहे पर खड़ा सिपाही सीटी बजाकर या अपने हाथ के इशारे से वाहनों को रोकता है और जाने की आज्ञा देता है, इसे सांकेतिक भाषा कहते हैं। लेकिन इसे भाषा नहीं माना जा सकता, क्योंकि इसके द्वारा की गई बात स्पष्ट नहीं होती। गूँगे-बहरे, अंपायर, रेलगाड़ी का गार्ड आदि भाषा के इसी रूप का प्रयोग करते हैं।

याद रखिए

- किसी राष्ट्र के अधिकांश व्यक्तियों द्वारा बोली जाने वाली भाषा राष्ट्रभाषा कहलाती है।
- हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।
- 14 सितंबर को हम हिंदी दिवस मनाते हैं।

अन्य भाषाएँ

हमारे देश में 29 राज्य तथा 7 केंद्रशासित प्रदेश हैं। सभी राज्यों में लगभग अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं; जैसे–

राज्य	भाषा
गुजरात	गुजराती
पंजाब	पंजाबी
तमिलनाडु	तमिल

राज्य	भाषा
महाराष्ट्र	मराठी,
पश्चिमी बंगाल	बांग्ला,
कश्मीर	कश्मीरी

लिपि

प्रत्येक भाषा को अलग-अलग तरीके से लिखा जाता है। इसके लिए कुछ चिह्न निर्धारित हैं।

भाषा के लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उसे लिपि कहते हैं।

हिंदी, संस्कृत – देवनागरी, पंजाबी – गुरुमुखी, उर्दू – फ़ारसी तथा अंग्रेज़ी – रोमन लिपि में लिखी जाती है।

आओ दोहराएँ

- भाषा मन के भाव प्रकट करने का एक साधन है।
- हम अपने विचार बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं।
- भाषा के दो रूप हैं – मौखिक तथा लिखित।
- हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।

अब बताइए

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. मन की बात कहने का साधन है–

   (i) भाषा ☐ (ii) व्याकरण ☐ (iii) लिपि ☐

2. भाषा के मुख्यतः रूप हैं–

   (i) एक ☐ (ii) दो ☐ (iii) तीन ☐

3. भाषा के किस रूप से बात स्पष्ट नहीं होती?

   (i) मौखिक ☐ (ii) लिखित ☐ (iii) सांकेतिक ☐

4. हमारी राष्ट्रभाषा है–

   (i) हिंदी ☐ (ii) अंग्रेज़ी ☐ (iii) संस्कृत ☐

5. हिंदी किस लिपि में लिखी जाती है?

   (i) रोमन में ☐ (ii) देवनागरी में ☐ (iii) फ़ारसी में ☐

(ख) सत्य कथन पर (✓) तथा असत्य पर (✗) लगाइए–

1. पत्र-पत्रिकाएँ लिखित भाषा के उदाहरण हैं। ☐
2. भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं। ☐
3. भाषा मुख्यतः चार प्रकार की है। ☐
4. अंग्रेज़ी हमारी राष्ट्रभाषा है। ☐
5. गुजरात में गुजराती भाषा बोली जाती है। ☐

(ग) निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–

1. हिंदी	(i) रोमन
2. उर्दू	(ii) देवनागरी
3. पंजाबी	(iii) फ़ारसी
4. अंग्रेज़ी	(iv) गुरुमुखी

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. भाषा किसे कहते हैं?
2. भाषा के रूप लिखिए।
3. लिखित भाषा का एक उदाहरण लिखिए।
4. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं?
5. लिपि किसे कहते हैं?

(ङ) नीचे दिए गए व्यक्तियों की पोशाकें पहचानकर लिखिए कि ये पोशाकें किस राज्य में पहनी जाती हैं? और वहाँ की भाषा कौन-सी है?

राज्य .....

भाषा .....

राज्य .....

भाषा .....

राज्य .....

भाषा .....

(च) नीचे दिए गए सौ रुपये के नोट को ध्यानपूर्वक देखिए। इस पर कितनी भाषाएँ छपी हैं? इन्हें अंकों और शब्दों में लिखिए–

.....